टीम सखी की सामूहिक सामाजिक एकता अखण्डता की चुनरी यात्रा अपने आप में रही अभूतपूर्व

रामगंजमंडी(निसं)। हाल ही में नव गठित श्री फलोदी श्री फलोदी गौशाला सेवा समिति के तत्वाधान में मेड़तवाल वैश्य समाज माँ फलोदी भक्तजनों ने मिलकर अप्रतिम अनुकरणीय पहल शारदीय नवरात्री में श्री फलोदी गौशाला के नव निर्मित गौ संरक्षण हेतु सामूहिक सहयोग से बनाये हुए अत्याधुनिक गौ चरागाह टीन शेड से की।

कार्यक्रम के सोशल प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर मिडिया प्रभारी डॉ नयन प्रकाश गाँधी ने बताया कि गौशाला के अनावरण के साथ अखिल भारतीय स्तर पर टीम सखी की पारमार्थिक महिला सशक्तिकरण देवी माँ फलोदी को समर्पित चतुर्थी चुनरी यात्रा का शुभारम्भ गौ माता राष्ट्रमाता को चरितार्थ करते हुए चुनरी यात्रा का शुभ शुरुआत की गई।कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री की कोटा के कार्यक्रमों की पूर्व व्यस्तता चलते ओएसडी शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार मेडतवाल वैश्य समाज के गौरव सतीश गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में दोनों कार्यक्रम गौशाला और चुनरी यात्रा की शुरुआत की।गाँधी ने बताया की कार्यक्रम में भोजन प्रसादी सेवक पन्नालाल लक्ष्मीचंद चौधरी खैराबाद सहित ट्रस्ट अध्यक्ष माणकचंद आचौलिया नगर सेठ झालरापाटन मार्गदर्शक केदार काका कार्यवाहक अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता व कोषाध्यक्ष प्रकाश चंद गुप्ता सहित मेड़तवाल वैश्य समाज के हजारों बंधुओं की उपस्थिति में किया गया।मुख्य अतिथि सतीश गुप्ता ने समाज मे नित निरंतर गौशाला एवं टीम सखी के आध्यात्मिक चुनरी यात्रा एवं इसके पीछे के सामाजिक समरसता सामाजिक उन्नित हेतु माँ फलोदी के आशीर्वाद की सभी समाज जनों हेतु मंगलकामना की और कहा मेड़तवाल समाज और रामगंजमंडी क्षेत्र के विकास के पर्याय शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के अनुपस्थिति में सतीश गुप्ता ने शुभकामना संदेश वाचन किया और समस्त सामाजिक कार्यो में बढ़चढ़कर आगे आने वाले समाज बंधुओ को बधाई दी।मीडिया प्रभारी डॉ नयन प्रकाश गांधी ने बताया की टीम सखी सयोंजिका कृष्णा गुप्ता रावतभाटा, कामाक्षी गुप्ता भवानीमंडी, कुसुम जमीदार जीरापुर के निर्देशानुसार 3333 मीटर लम्बी चुनरी यात्रा फलोदी गौशाला से माँ फलोदी धाम के दरबार में जाकर ख़त्म हुई और चुनरी यात्रा के साथ समाज बंधू माताजी के भजनों पर आनंद लेते हुए चुनरी को आगे बढ़ाते चलते गए।सामूहिक सामाजिक एकता अखण्डता की चुनरी यात्रा अपने आप में अभूतपूर्व हुई।

गौशाला अनावरण एवं टीम सखी चुनरी यात्रा में शामिल महिला पुरुष बच्चे ।

हैल्थ चेकअप कैंप आयोजित

भरतपुर (निस)। लायंस क्लब भरतपुर रॉयल्स द्वारा अपने सेवा सप्ताह की गतिविधियों में विश्व प्रिय शास्त्री पार्क में सुबह 6 से निशुल्क डायबिटीज जांच व स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पार्क में प्रात: कालीन भ्रमण पर आने वाले वह स्वास्थ्य के प्रति जागरूक 288 महिलाओ व पुरुषों की डायबिटीज व 90 लोगों की रक्तचाप की जांच की गई। जिसमें 65 पुरुष व महिलाएं ऐसे चिन्हित किया गए जिन्हें पहली बार पता चला कि उन्हें मधुमेह या ब्लड प्रेशर है। शिविर में उपस्थित डॉक्टर राजकुमार शर्मा व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों को खान-पान व स्वस्थ जीवन शैली जीने के बारे में जागरूकता प्रदान की गई। उपस्थित लोगों ने क्लब की गतिविधियों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए बताया गया कि आज के मशीनी युग में व्यक्ति जहां एकाकी व तनावपूर्ण जीवन जी रहा है वहीं लायंस क्लब रॉयल्स इस प्रकार की गतिविधि कर समाज सेवा में मानवता का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। क्लब अध्यक्ष मंजू गुप्ता मोनालिसा वह सेवा सप्ताह के कार्यक्रम संयोजक ब्रजमोहन गुप्ता द्वारा बताया गया कि सेवा गतिविधियों में 8 अक्टूबर मंगलवार को देशवार हॉस्पिटल में सुबह 8 से निशुल्क नेत्र परीक्षण दवा चश्मा वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है।

सार-समाचार

प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

रामगंजमंडी(निसं)।खैराबाद धाम के पन्नालाल लक्ष्मीचंद चौधरी परिवार द्वारा व समाज के सहयोग से रविवार को दिव्यांगजन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समारोह दोपहर 3 बजे महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय खैराबाद में प्रारम्भ हुआ।जिसमें मुख्य अतिथि कृष्णमुरारी दिलावर व शिक्षामंत्री के ओएसडी सतीश कुमार गुप्ता रहे।कार्यक्रम रामानुज कोट चेचट के मधुसूदनाचार्य महाराज व राजेन्द्र शर्मा के सानिध्य में संपन्न हुआजिसमें समाज के प्रतिष्ठित लोगों के द्वारा खैराबाद क्षेत्र के 35 दिव्यांग जनों का सम्मान किया गया।वहीं समाज के भामाशाह व समाजसेवियों का भी सम्मान किया गया है।जिसमें प्रीतम गुप्ता मदन बाबा टाक श्री कृष्ण गौशाला रामेश्वर टॉक कुसुम टॉक,ल रामगोपाल गुप्ता नेताजी,ल मुकेश श्रृंगी अंजुमन कमेटी सदर सरफराज हाशमी रामगंजमंडी अस्पताल में मरीजों को नि:शुल्क भोजन व्यवस्था वह अपनी बेहतरीन सेवाओं के लिए जगदीश गुप्ता (एमआरएफ) व अन्य समाजसेवी भामाशाहों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल खैराबाद की ओर से पूर्व प्रधानाचार्य आशा कुमारी व स्कूल परिवार ने भामाशाह चौधरी परिवार के सदस्यों का सम्मान किया गया।चौधरी परिवार के हरि भाई चौधरी,ल भामाशाह मास्टर हुकुमचंद गुप्ता व उनकी पत्नि मोहन काका सोहनलाल गुप्ता व विट्ठल प्रसाद गुप्ता का माला पहना साफा बांध व शॉल ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृष्ण मुरारी दिलावर व सतीश गुप्ता का भी स्वागत सम्मान किया गया। समारोह में क्षेत्र के कई महिला पुरुष समाज बंधु शामिल हुए।अंत में भोजन प्रसादी का कार्यक्रम भी आयोजित हुआ।

स्टेकहोल्डर्स कॉन्क्लेव का आयोजन

कोटा। विश्व मानक दिवस 2024 के उपलक्ष्य में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राजस्थान, और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू), उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में 7 अक्टूबर 2024 को सुबह 10 बजे से ''बप्पा रावल ऑडिटोरियम, में एक ''स्टेकहोल्डर्स कॉन्क्लेव'' का आयोजन किया जा रहा है। विश्व मानक दिवस को प्रतिवर्ष 14 अक्टूबर को उन विशेषज्ञों को सम्मानित करने के लिए वैश्विक रूप से मनाया जाता है, जो स्वैच्छिक अंतरराष्ट्रीय मानकों को विकसित करते हैं और उनके द्वारा यह सुनिश्चित करते हैं कि उपभोक्ताओं को मिलने वाली उत्पाद और सेवाएं सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता की रहें।इस वर्ष का विषय, ''बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टि: एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा) का समावेश,'' मजबूत बुनियादी ढांचे का निर्माण, समावेशी और सतत औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देना, और नवाचार को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है।इस अवसर पर आयोजित ''स्टेकहोल्डर्स कॉन्क्लेव'' के उद्घाटन समारोह में महाराज कुमार साहिब डॉ. लक्ष्यराज सिंह जी मेवाड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, साथ ही उदयपुर के जिला कलेक्टर श्री अरविंद कुमार पोस्वाल, आईएएस, कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। एमएलएसयू के प्रबंधन अध्ययन संकाय की निदेशक प्रो. मीरा माथुर और डॉ. अविनाश पंवार, नोडल अधिकारी, आईईटी और निदेशक, कंप्यूटर केंद्र, एमएलएसयू भी कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम श्रीमती कनिका कालिया, निदेशक और, प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो, राजस्थान के मार्गदर्शन और विशिष्ठ उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा

चितौड़गढ़ टीम ने अच्छा प्रदर्शन

रावतभाटा । 68 वी राज्य स्तरीय साइकलिंग रोड़ प्रतियोगिता राजसमंद जिले के भीम तहसील में आयोजित हो रही हैं। प्रतियोगिता में चितौड़गढ़ टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, दलाधीपती रामवतार मीणा ने जानकारी देते हुए बताया की मास स्टार्ट में 17 वर्ष छात्रा वर्ग में धांगड़मऊकला की छात्रा शकुंतला धाकड़ ने राज्य में छठा स्थान प्राप्त किया, 19 वर्ष छात्रा वर्ग में मोनिका धाकड़ ने भी छठा स्थान प्राप्त किया, छात्रा टीम प्रशिक्षक मनोज सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदर्शन सराहनीय रहा हैं, यह काफी महंगा खेल हैं बिना गियर की साइकिल से भी यह उपलब्धि सराहनीय हैं। छात्रों को अच्छी साइकिल उपलब्ध होतो और बेहतर परिणाम जिले को मिल सकते हैं। साइकलिंग ट्रैक में चित्तौड़गढ़ को सिल्वर मैडल प्रात हुआ था। महिला टीम प्रभारी सावित्री जोशी, छात्र टीम प्रशिक्षक अशोक कुमार यादव, टीम शकुंतला धाकड़, प्रियंका मीणा, मुस्कान धाकड़, सरिता धाकड़, लाड बा भील, मोनिका धाकड़, लोकेंद्र सिंह गौड़, रामकिशन भील, लक्ष्मण भील, अमन खटीक, नितेश शर्मा मौजुद रहे।

कमेटी का गठन किया

रावतभाटा। अंजुमन सिराजुल इस्लाम सोसायटी ने रविवार को जामा मस्जिद खिदमत कमेटी और मदरसा मोनिटरिगं कमेटी का गठन किया। सदर हाजी मजहर हुसैन भाटी ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को जामा मस्जिद खिदमत कमेटी मदरसा मोनिरिटिंग कमेटी का गठन किया गया, मदरसा मॉइंट्रिंगजामा मस्जिद खिदमत कमेटी में शाकिर हुसैन भाटी, जाकिर, रफीक खान, र स राठोड़, मंजूर अंसारी, सलामत शाह, विलायत अली, सरफराज अंसारी, जहीर खान, अकरम अंसारी, मो. फारूख ये सभी हजरात जामा मस्जिद में अपनी खिदमद को अंजाम देंगे। वही मदरसा मोनिटरिगं कमेटी में मो. फैयाज, रियाज खोकर, वसीम शैख, आबिद धारवाल, मेहबूब हसन, नफीस मोहम्मद, शाहरुख अब्बासी, आदिल मंसूरी, जावेद को मेंबर बनाया गया।

भारत को जानो प्रतियोगिता संपन्न

करौली(नि.स.)। भारत विकास परिषद् शाखा करौली के तत्वावधान में रविवार को एक मैरिज गार्डन में भारत को जानो प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई। भारत को जानो प्रकल्प प्रभारी गोविन्द प्रसाद शर्मा पूर्व एडीओ ने बताया कि प्रश्न मंच प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में शिवा एकेडमी सी. सै. विद्यालय के प्रणय शर्मा व मेदांत शर्मा विजेता तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महू (हरनगर) की छात्रा खुशी बाई जाटव व नीकेश माली उप विजेता रहे। इसी प्रकार प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में लोकहितकारी सी. सै. वि. के आकाश मीना व सौरभ गुर्जर विजेता तथा बाल भारती सेकंडरी स्कूल के तुषार गुप्ता व ज्योति सिंह उप विजेता रहे। मुख्य अतिथि सर्वेश कुमार गुप्ता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने प्रतिभागियों को पारितोषिक व प्रमाणपत्र प्रदान किए।सचिव कमलाकांत शर्मा ने बताया कि भारत को जानो प्रतियोगिता में करौली ब्लॉक के 17 विद्यालयों के एक हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया।

विद्यार्थियों को पहनाए जूते व मोजे

बूंदी। इनरव्हील क्लब ने विश्व शिक्षक दिवस पर राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, नानकपुरिया में 40 जरूरतमंद विद्यार्थियों को जूते व मोजे पहनाये। अध्यक्ष डा. पूर्णिमा दीक्षित ने बताया कि सामग्री प्रकार बच्चों के चेहरों पर खुशी छा गई। इस प्रोजेक्ट के लिये अरुणिमा शर्मा का सहयोग रहा। इस दौरान धर्मराज सैनी, दीपा गुप्ता, पुष्पा चौधरी, दीपा गुप्ता, सरोज वर्मा, शबनम परवीन, जगदीश मौजूद रहे।

सेवा भारती ने किया नवरात्रि पर कन्याओं का पूजन

रावतभाटा । सेवा भारती रावतभाटा द्वारा रविवार को श्री नहार सिंह माता जी मंदिर कुम्हार मोहल्ला में विशाल कन्या पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें नगर की सभी बस्तियों की बड़ी संख्या में कन्याओं का विधिपूर्वक पूजन तिलक कलवा बांध पूजा अर्चना कर महाआरती कर कन्याओं को हलवा पूड़ी सब्जी की महाप्रसादी कराया गया।

कन्या पूजन में परम सानिध्य चितौड़ प्रांत मंत्री गोपीराज सोनी का रहा एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष रावतभाटा पुलिस उपाधीक्षक प्रभुलाल कुमावत एवं अथिति राकेश मीणा, पंकज कुमार रहे। मां भगवती की ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गोपीराज सोनी ने कहा कि जब देवी शक्ति की पूजा होती है तो धन वैभव की प्राप्ति होती हैं, मातृ शक्ति देवी मां का स्वरूपा हैं कन्या पूजन परिवार में खुशहाली का प्रतीक हैं। हम सभी को समाज में समरसता हेतु मिलकर देशहित में कार्य करना है। हम सभी को मातृशक्ति का सम्मान करना चाहिए।

इस अवसर पर रावतभाटा पुलिस उपाधीक्षक प्रभुलाल कुमावत ने कहा कि नवरात्रि पर्व हम सभी के जीवन के लिए मंगलदायक है हम सभी को मिलकर भूर्ण हत्या जैसी कुरीति को रोकना हैं कन्या मां दुर्गा का स्वरूप हैं जिसका हम सभी को अदार सम्मान करना हैं। आभार तहसील उपाध्यक्ष सुरेशचंद्र गौड़ ने जताया, अंजू कंवर ने माता जी के भजन चौसठ जोगणिया की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भजन पर मेंहदी केंद्र की लावण्या नायक ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। सेवा भारती प्रकल्पों से नो दुर्गा का स्वरूप बनकर आईं जिनका सभी ने आशीर्वाद लिया ।

सीता स्वयंवर की लीला का किया मंचन

अंता । श्रीराम कला मंडल समिति अंता द्वारा श्रीराम रंग मंच पर गढ़ परिसर में शनिवार को शाम 8:00 बजे रामलीला का मंचन शुरू हुआ। जिसमें धनुष यज्ञ में बाहुबली लंका नरेश रावण द्वारा शिव धनुष तोड़े जाने से विफल हो जाने तथा राजा जनक की प्रतिज्ञा को पूर्ण करने के लिए गुरू विश्वामित्र की आज्ञा पाकर शिवधनुष को नमन कर रघुनंदन ने शिव धनुष को तोड़ने के साथ ही पांडाल जय श्री राम के जय घोष से गूंज उठा। इस मौके पर पहुंचे भगवान परशुराम की तनी हुई भृकुटी को देख कर वहां मौजूद सभी राजा महाराजा स्वयं राजा जनक ने भी घबराए हुए उनका स्वागत किया। शिव धनुष को तोडने से कुपित परशुराम ने कहा कि हे राजा जनक जल्दी बता ये धनुष किसने तोड़ा है भरी सभा में सीता से नाता जोड़ा है।

रोड़वेज बसों में बिना टिकट यात्रा करना पड़ेगा महंगा

रावतभाटा । राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में बिना टिकट यात्रा निवारण अधिनियम 1975, संषोधन 2021 के अंर्तगत बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री के साथ रोड़वेज विभाग द्वारा अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। रोडवेज प्रबंधन की और से पैसेंजर फॉल्ट नियम को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे अब बिना टिकट यात्री को भी संबंधित बस के परिचालक के साथ दोषी माना जाएंगा। ऐसे यात्री से किराए का 10 प्रतिशत जुर्माना वसूल किया जाएगा। इसके तहत बिना टिकट यात्रा करते पाए जाने पर रोड़वेज विभाग की उड़न दस्ता टीम द्वारा यात्री से किराया राशि का 10 गुणा या अधिकतम 2 हजार रुपए जुर्माना वसूला जाएगा।

- **टीम द्वारा यात्री से किराया राशि का 10 गुणा या अधिकतम 2 हजार रुपए जुर्माना वसूला जाएगा**

पूर्व में परिचालक पर ही होती थी कार्रवाई : आपको बता दें कि अब तक बिना टिकट यात्रा करने पर रोडवेज की उड़न दस्ता टीम द्वारा केवल परिचालक के खिलाफ ही कार्रवा की जाती थी। जांच दल की और से परिचालक के खिलाफ बेटिकट यात्रा करने वालों की संख्या के अनुसार कार्रवा होती थी। रोडवेज मुख्यालय ने बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से जुर्माना वसूल करने के निर्देश दिए हैं। रोडवेज मुख्यालय इस व्यवस्था को सभी आगारो के द्वारा जल्द से जल्द लागू करने के निर्देश दे चुका हैं। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के प्रबंध निदेषक पुरूशोत्तम षर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की रोडवेज में सफर करने वाले यात्री का दायित्व हैं, कि वह निर्धारित राषि का किराया परिचालक को देकर टिकट प्राप्त करे। परिचालक से टिकट नहीं लेने पर यह माना जाएगा कि वह बगैर टिकट यात्रा कर रहा हैं। इसलिए उसे जुर्माना देना पड़ेगा। अगर परिचालक की और से निर्धारित टिकट नहीं दिया जाता हैं, तो संबंधित परिचालक के खिलाफ विभागीय कार्रवा के साथ जुर्माना वसूलने की कार्रवा की जाएगी। यात्री की और से जुर्माना नहीं देने पर उड़न दस्ता टीम के द्वारा संबंधित यात्री के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई जाएंगी।

विकास हो लेकिन जंगल के विनाश की शर्त पर नहीं

बारां । एक ओर तो पूरी दुनिया और देष के वैज्ञानिक बिगडते जलवायु संतुलन पर चिन्ता व्यक्त कर जंगल बढाने की योजना बना रहे है, वहीं दूसरी ओर राजस्थान के बारां जिले में स्थित दूसरे बड़े वन क्षेत्र किषनगंज-षाहबाद क्षेत्र में धीरे-धीरे सिकुड़ते वन क्षेत्र को लेकर लगातार चिन्ता व्यक्त की जा रही है।

ऐसे हालात में जहां प्रतिवर्ष राज्य सरकार और स्वंयसेवी संस्थाएं लाखों की संख्या में पौधारोपण कर जंगल के विस्तार में अपनी भागीदारी निभा रही है। वहीं केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा शाहबाद के घने जंगलों में विकास के नाम पर विद्युत पावर प्लांट को मंजूरी देकर सवा लाख से अधिक पेड़ों की कटाई किया जाना उचित नहीं है, क्योंकि यह जंगल संरक्षित वन क्षेत्र के साथ-साथ चीता अभ्यारण्य तथा बेषकीमती आयुर्वेदिक जडी-बूटियों के लिए ख्यातनाम है। राजस्थान दुकानदार महासंघ के जिलाध्यक्ष ललितमोहन खण्डेलवाल, प्रमुख व्यापारी सरोज कुमार जैन, पवन कुमार डोलिया, हेमराज गोयल, जिनेन्द्र कुमार जैन, माजिद सलीम, शषिकान्त जैन, अली भाई बोहरा, कन्हैयालाल चित्तोड़ा, आनन्द बंसल, आसिफ हुसैन, नरेन्द्र कुमार बत्रा, मनोज विजय, भारत जैन, मनोज मारू, योगेन्द्र कसेरा, भानू पोरवाल, अष्विनी कुमार बंसल, राजेन्द्र गर्ग, प्रमोद थुणगर, विमल बंसल, राजेन्द्र कुमार मंगल, पीयूष गर्ग, नरेष खण्डेलवाल, अर्पित शर्मा आदि व्यापारियों ने विज्ञिप्त जारी कर बताया कि संभाग भर में इस जंगल के विनाष को लेकर उठ रहे विरोध में राजस्थान दुकानदार महासंघ, पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक संस्थाओं सहित जिले के व्यापारियों में भी गहरी चिन्ता व्याप्त है।

व्यापारियों ने बताया कि विकास का कई विरोध नहीं होता है लेकिन विकास के नाम पर विनाश वह भी वहां जहां पर सैकड़ों की संख्या में वन्यजीव, सवा लाख पेड़, पुरासम्पदा तथा पर्यावरण का विनाष हो रहा हो, ऐसे में विकास का विरोध होना स्वाभाविक है। सभी व्यापारियों व पर्यावरण प्रेमियों ने राज्य व केन्द्र सरकार से मांग करते हुए सवा लाख पेड़ों को बलि से रोकने की दिषा में पावर प्लाण्ट प्रबन्धकों से चर्चा कर ऐसा कोई विकल्प तैयार हो कि विकास भी हो और वनों का विनाष भी नही हो क्योंकि यह क्षेत्र घने जंगलों की दृष्टि से हाड़ौती का चैरापूंजी क्षेत्र कहा जाता है।

दांगी समाज ने लगाए विभिन्न प्रजाति के पौधे

झालावाड़। दांगी समाज झालावाड़ द्वारा शारदीय नवरात्रा के पावन अवसर पर माता रानी को प्रसन्न करने के लिए खंडिया चौराहा के डिवाइडर के मध्य विभिन्न प्रजाति कोना,कर्मस, देसी कनेर, टिकोमा, गुड्डी चूड़ी के पौधे लगाए गए इस अवसर पर सह भागी बने शंकर लाल दांगी मार्गदर्शक, सालिगराम दांगी जिला महामंत्री दांगी समाज, विष्णु प्रसाद दांगी उपाध्यक्ष कर्मचारी संघ, रामबाबू दांगी सहायक सांख्यिकी अधिकारी, हेमराज दांगी मीडिया प्रभारी दांगी समाज, राकेश दांगी एम आर, तुलसीराम महिला प्रकोष्ठ से कैलाश दांगी, कृष्णा दांगी तथा उपस्थित सभी नागरिकों ने पौधों की नियमित देखभाल वह पानी पिलाने की शपथ ली।

'शहर की अव्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं कर पा रही सरकार'

बून्दी। नगर परिषद बूंदी पर प्रशासनिक अव्यवस्थाओं का आरोप लगाते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य सत्येश शर्मा ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार व नगर परिषद की ट्रीपल इंजन की सरकार भी शहर की व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त नहीं कर पा रही हैं। संसाधनों के अभाव में शहर की सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है, गत सरकार में जो साधन उपलब्ध करवाए गए थे, उनको भी कबाड बना दिया। आश्चर्य इस बात का भी है यह सारे हालात बूंदी जिला मुख्यालय के नगर परिषद के है जो कि माननीय लोकसभा अध्यक्ष जी के गृह निर्वाचन क्षेत्र है।

सत्येश शर्मा ने कहा कि डीजल पेट्रोल के अभाव मे संसाधनो का उपयोग नहीं हो पा रहा है, शहर मे सफाई नहीं होने के कारण विभिन्न क्षेत्रों में डेंगू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। डेंगू से आम जनता के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारी भी चपेट में आते जा रहे हैं।

नगर परिषद बूंदी की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सभापति को अपदस्थ कर जिस प्रकार शहर की व्यवस्थाओं को सुचारु करने के सपने दिखाए गए थे, लंबा समय बीत जाने के बाद भी भाजपाई सभापति और नगर परिषद प्रशासन शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के बजाए और अधिक बिगाड़ चुके हैं। रोजाना केवल समाचार पत्रों में आश्वासन दिए जाते हैं, जिसका धरातल पर कोई लेना देना नहीं होता। दीपावली के महत्वपूर्ण त्योहार पर भी शहर के हालात बदतर हो चुके हैं। कर्मचारियों का वेतन समय पर नहीं मिल पा रहा वहीं ठेकेदारों को भी भुगतान नहीं होने की वजह से विकास के कार्य पूर्ण रूप से ठप्प पड़े हुए है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

भरतपुर (निस)। टैक्नोलॉजी पार्क स्थित हरिदत्त ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स में ताइक्वांडो की द्वितीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन निदेशक डॉ आलोक शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। 14 जिलों के 190 सीनियर-जूनियर प्रतियोगियों ने भाग लिया। जिसमें सब जूनियर वर्ग में 21, 23, 29, 27, 32 व 35 वर्ष के पुरूष वर्ग में क्रमश: करौली की टुकटुक, अलवर के तरूण सैन, अलवर की कृष्णा शर्मा, लक्ष्य, रणवीर व भरतपुर के रिषभ एवं शिवा ने गोल्ड मैडल प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में भरतपुर व अलवर ने प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम से पूर्व दीप प्रज्वलन कर निदेशक डॉ आलोक शर्मा ने ताइक्वांडो मैच को प्रारम्भ कराया एवं उपस्थित प्रतियोगियों को खेल की भावन के साथ खेलने का आहवान किया। उन्होंने उपस्थित खिलाडियों को जीत एवं हार को सफलता का पैमाना नहीं बनाने के लिए प्रेरित किया। ड्रेगन वारियर मार्शल आर्ट एकेडमी के सुमित कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन द्वितीय वर्ष किया जा रहा है। जिसमें भरतपुर ताइक्वांडो एवं डिस्ट्रक्ट हैप क्रीडो की प्रमुख भूमिका रही है। इस अवसर पर एकेडमी के शिवमकुमार, विनय शर्मा, दयाराम ने निर्णायक भूमिका निभाई एवं अलवर, झालावाड, जयपुर, करौली, धौलपुर व भरतपुर से 11 कोचों ने विभिन्न आयु वर्ग के सब जूनियर व सीनियर वर्ग के 72 मैचों का निर्णय लिया। इस अवसर पर मंच का संचालन सुनील फौजदार ने किया एवं पुष्पेन्द्र सिंह, विजित पाल, सुमित कुमार, युवराज, निखिल व रिंकू गुर्जर को श्रेष्ठ कोच से पुरस्कृत किया गया।

बून्दी जिले का प्रमुख शक्तिपीठ हैं ऐतिहासिक रक्तदंतिका माता मंदिर

बून्दी। रक्तदंतिका देवी की कथा के अनुसार एक बार वैप्रचिती नाम के एक असुर के आतंक से न केवल इन्सान बल्कि देवता भी अत्यन्त व्याकुल थें।तब देवताओं और पृथ्वी की प्रार्थना पर माँ दुर्गा ने रक्तदंतिका नाम से अवतार लेकर वैप्रचिती आदि असुरों के आतंक से पृथ्वी से भय मुक्त कर दिया।

इस देवी अवतार द्वारा असुरों को मारकर उनके रक्तपान करने के कारण 'रक्तदंतिका' नाम से विख्यात हुई। श्री दुर्गा सप्तशती के अंत में मूर्ति रहस्य के अंतर्गत माँ के स्वरूप का विस्तृत वर्णन मिलता है, जिसमें माँ का स्वरूप रक्तवर्णी और चतुर्भुजी है। दुर्गा सप्तशती के ग्यारहवें अध्याय के अनुसार, वैवस्वत मन्वंतर के 28वें युग में शुम्भ और निशुम्भ नामक दो अन्य महादैत्य उत्पन्न होंगे। तब मैं नंद के घर में उनकी पत्नी यशोदा के गर्भ से जन्म लेकर दोनों असुरों का नाश करूँगी। तत्पश्चात् पृथ्वी पर अवतार लेकर मैं वैप्रचिति नामक दैत्य के दो असुर पुत्रों का वध करूँगी। उन महादैत्यों का भक्षण कर लाल दन्त (दांत) होने के कारण तब स्वर्ग में देवता और धरती पर मनुष्य सदा मुझे 'रक्तदंतिका' कह मेरी स्तुति करेंगे।

रियासतकालीन रक्तदन्तिका माता मन्दिर की, जिससे जुड़ी कथाओं का उल्लेख मार्कण्डेयपुराण से निर्मित दुर्गासप्तशती में वर्णित है। बून्दी जिला मुख्यालय से 10 किमी दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर ग्राम सथूर में चन्द्रभागा नदी के किनारे स्थित यह ऐतिहासिक रक्तदन्तिका माता शक्तिपीठ के नाम से जाना जाता है। दुर्गासप्तशती के अनुसार राजा सूरथ ने यहाँ सूरथपुरी नगरी बसाई, जो कालान्तर में अपभ्रंश रुप सथूर हो गया। यह सथूर ग्राम तीन बार आबाद हुआ और उजड़ा, अंतिम बार यह सथूर गांव संवत 1241 में बसा। जिसके प्रमाण यहाँ पर खुदाई पर प्राप्त पुराने परकोटे की भरी हुई नीवँ से होते हैं, यहाँ महाभारत कालीन अनेक प्राचीन ऐतिहासिक स्मारक प्राप्त हुए हैं। अभी भी यहां कई पुराने मकान, हवेलियों के भग्नावशेष मौजूद हैं।

बून्दी जिले मे रक्तदंतिका माता मंदिर।

पूर्वाभिमुख बालुका प्रतिमा हैं रक्तदन्तिका माता की : ग्राम सथूर में मजबूत परकोटे से घिरे हुए विशाल मंदिर में रक्तदन्तिका माता की पूर्वाभिमुख बालुका प्रतिमा स्थापित है। प्रतिमा के दोनों ओर सिंहमुख के सादृश्य सिंहासन पर कमल पुष्प पर माता पद्मासन पर चतुर्भुज रूप में विराजित है। माता के शीर्ष दो हाथों में त्रिशूल और घंटा रूपी आयुध है, तो नीचे के एक हाथ में माला और दुसरा आशीर्वाद स्वरुप दर्शित है। चाँदी से निर्मित छतरी में यज्ञोपवित धारण किए हुए माता की प्रतिमा भव्य एवं अद्वितीय हैं। हालांकि मंदिर स्थापना से सम्बन्धित कोई शिलालेख उपलब्ध नहीं है, लेकिन 446 वर्ष पूर्व इसका अस्तित्व रहा है। बूंदी नरेश राव सुर्जन के पुत्र दूदा का इसी माता मंदिर मे पूजा अर्चना करते समय अकबर के सेनापति रणमस्त खाँ के साथ संघर्ष हुआ था। यहाँ पूर्व में बकरे की बलि दी जाती थी, जिसे महाराव राजा रामसिंह के राज्यादेश से 1865 ई. में बंद कर दिया गया। जिस चाँदी की छतरी का उल्लेख है, वह महाराव राजा रामसिंह की महारानी चंद्रभान कुँवरी द्वारा सं. 1920 में आश्विन शुक्ल अष्टमी को भेंट किया गया। मंदिर के सटे हुए दुर्गाविलास बाग में देवी भक्त महारानी चन्द्रभान कुँवरी का स्मारक है, जिनका स्वर्गवास यहीं पर सं.1942 मे हुआ था।

राजा सुरथ और समाधि वैश्य ने स्थापित की बालुका प्रतिमा

दुर्गा सप्तशती के अनुसार चैत्र वंश में उत्पन्न राजा सुरथ कोला विध्वंसी क्षित्रयों से युद्ध में हारने और मंत्रीगणों के विश्वासघात से दुखी राजा सुरथ मेधा मुनि के आश्रम में आए, तभी पत्नी और पुत्रों से प्रताड़ित समाधि नामक एक वैश्य भी आश्रम मे आया। मेधा मुनि के पूछे जाने पर समाधि वैश्य ने राजा के राज्य नष्ट होने का कारण बताते हुए पुन: राज्य प्राप्ति का उपाय बताने का निवेदन किया। पूरी बात सुनकर मेधा मुनि ने कार्य सिद्धि के लिए पूर्व दिशा की ओर जाते हुए चंद्रभागा के तट पर बाँस से घिरे क्षेत्र में जगदंबा की आराधना करने का उपाय बताया। मुनि के कथन के अनुसार राजा सुरथ और समाधि वैश्य ने चंद्रभागा के तट पर बालुका प्रतिमा बना कर तप शुरू कर दिया। अपने रक्त से प्रोषित बलि देते हुए संयमपूर्वक माता की आराधना करते रहे, प्रसन्न होकर माँ चण्डिका ने स्वयं प्रकट हो दर्शन देकर राजा को पुन: राज्य प्राप्ति का आशीर्वाद दिया। चंद्रभागा के किनारे घने बाँसों से घिरे इस क्षेत्र मे राजा सूरथ द्वारा स्थापित यह बालुका प्रतिमा रक्तदन्तिका के रूप में विराजित है।

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक-3668 **जाहिर आम सूचना** दिनांक 30.9.24

आ